an>

Title: Need to develop Kolhapur in Maharashtra as a place of pilgrimage.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): अध्यक्ष महोदया, कोल्हापुर एक ऐतिहासिक शहर है तथा प्राचीन समय से यहां महालक्ष्मी का स्थान है। यह एक धार्मिक स्थल है और अम्बाबाई का मंदिर भी यहां पर है। देश के साढ़े तीन शक्तिपीठों में से यह एक मंदिर है जिसका निर्माण 634 ईस्वी में हुआ था। इसी के साथ कोल्हापुर जिले में प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग मंदिर, खिदरापुर मंदिर, नरसभावाड़ी दत्त मंदिर, स्वयंभू गणेश मंदिर, त्रिमभूलि मंदिर, रेणुका मंदिर, जैन मंदिर जैसे कई प्राचीन मंदिर हैं। ऐतिहासिक स्थलों के नाम पर पन्नालगढ़, विशालगढ़, भूदरगढ़ जैसे 13 किले कोल्हापुर जिले में हैं। न्यू-पैलेस, शालिनी पैलेस, रंका ाां तालाब, कलम्बा तालाब भी वहां पर हैं। कोल्हापुर और चीजों के लिए भी प्रसिद्ध है, जैसे चप्पलें, कोल्हापुरी गुड़ तथा खुफरी में सिल्वर इंडस्ट्री बहुत बड़ी है जहां से सिल्वर एक्सपोर्ट होता है। देश-विदेश से हर साल यहां पर 40 से 50 लाख लोग महालक्ष्मी के दर्शन के लिए आते हैं। शहर में विजिटर्स के हिसाब से सुविधाओं की बहुत कमी है। बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है और शहर के रास्ते और अप्रोच रोड खराब हैं। वहां पीने का पानी नहीं है, ड्रेनेज सिस्टम नहीं है, पब्लिक शौचालय नहीं हैं, पार्किंग की सुविधा नहीं है। रेस्ट हाउस, बस स्टेशनों को दुरुस्त करने की जरुरत है। रेलवे स्टेशन 125 साल पुराना हो चुका है। एयरपोर्ट पिछले पांच सालों से बंद है। कोल्हापुर एक अंतर्राष्ट्रीय तीर्थस्थल या पर्यटन स्थल हो सकता है। हैरीटेज डिवेलपमेंट के लिए कोल्हापुर म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने 2300 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट रिपोर्ट बनाकर केन्द्र के पास भेजा है।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि विशेष सहायता कोल्हापुर के लिए दी जाए और जल्द से जल्द इस ओर कदम बढ़ाएं जाएं।